



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 271]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 10, 1982/भाद्रा 19, 1904

No. 271]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 10, 1982/BHADRA 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 10 निनेम्बर, 1982

212/सीमा शुल्क

स्थानक्रमि 564 (प्र). केन्द्रीय गरकार गीमा। शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 156 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा निर्मालित नियम बनाती है, अर्थात्—

प्रधारण 1

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 है।
(2) ये उम नारीयों को प्रवृत्त होने जिसे केन्द्रीय गरकार राजपत्र में प्रधिसूचित द्वारा नियत करे।

2. परिवर्तनाएँ:

(1) इन नियमों, जब तक कि संवर्ध से अन्यथा अपेक्षित न हो—
(क) "अधिनियम" में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) अभिप्रेत है।
(ख) "प्रस्तु" में इन नियमों में उपायक्र प्रस्तु अभिप्रेत है।
(ग) "धारा" में उक्त अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।

प्रधारण 2

कलकटर (अधीन) को अपीले

3. कलकटर (अधीन) को अपील का प्रक्रम:

(1) कलकटर (अधीन) को धारा 128 की उपधारा (1) के अधीन कोई अपील प्रस्तु पं. मी० श० अ० 1 से की जायेगी।
(2) प्रस्तु पं. मी० श० अ० 1 में अंतिमिति अपील के आधारों और सम्पादन के प्रस्तु पर निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे।
(क) किसी व्यक्ति की वशा में, स्वयं व्यक्ति द्वारा, जहाँ व्यक्ति भारत में अनुपस्थित है वहाँ सवधित व्यक्ति द्वारा या उस निमित्त उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा, और जहाँ व्यक्ति अवयवक है या अपने कार्यों की वेष्यामाल करने में मानसिक रूप से असमर्थ है वहाँ उसके सरकार द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने के लिये सभी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा,
(ख) किसी हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की वशा में, कर्ता द्वारा और जहाँ कर्ता भारत में अनुपस्थित है या अपने कार्यों की वेष्यामाल करने में मानसिक रूप से असमर्थ है वहाँ ऐसे कुटुम्ब के किसी अन्य व्यक्ति सदस्य द्वारा,
(ग) किसी कंपनी या स्थानीय प्राधिकरण की वशा में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा,
(घ) किसी फर्म की वशा में, उसके किसी भागीदार द्वारा जो अवश्यक नहीं है,
(ङ) किसी अन्य मण्ड में वशा में मंगम के मद्दत्य या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा, और

(c) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में, उम व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने के लिये सक्षम किसी व्यक्ति द्वारा ।

(3) प्रस्तुप सं० सी० श० अ० १ में अपील का प्रस्तुप दो प्रतियों में काहल किया जायेगा और उसके गाथ उम विनिश्चय या प्रावेदन की एक प्रति लगाई जायेगी जिसके द्वितीय अपील की नहीं है ।

4. कलकटर (अपील) को आवेदन का प्रक्रम:

(1) धारा 129-व की उपधारा (4) के अधीन कलकटर (अपील) को कोई आवेदन प्रस्तुप सी० श० अ० २ में किया जायेगा ।

(2) आवेदन का प्रस्तुप, प्रस्तुप सं० सी० श० अ० २ में दो प्रतियों में फाहल किया जायेगा और उसके गाथ न्यायनिर्णयिक प्राधिकारी द्वारा पारित विनिश्चय या प्रादेश की दो प्रतियों (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलकटर द्वारा ऐसे प्रधिकारी को कलकटर (अपील) को आवेदन करने के लिये निशेष करने हुए परिन प्रादेश की एक प्रति लगाई जायेगी ।

5. कलकटर (अपील) के समक्ष अन्तिमित साध्य पेश करना:

(1) अपीलार्थी, कलकटर (अपील) के समक्ष उस साध्य से भिन्न जो उसने न्यायनिर्णयिक प्राधिकारी के समक्ष कार्यवाही के दीर्घन पेश किया हा कोई साध्य नहीं वह मौखिक हो या दस्तावेजी, निम्नलिखित परिस्थितियों के सिवाए, पेश करने का हक्कार नहीं होगा, अर्थात्—

(क) जहां न्यायनिर्णयिक प्राधिकारी ने ऐसे साध्य को स्वीकार करने से हंकार कर दिया है, जिसे स्वीकार कर निया जाना चाहिये, या

(ख) जहां अपीलार्थी को उम साध्य को जिसे पेश करने के लिये उस प्राधिकारी से उससे अपेक्षा की थी, पेश करने से रोके जाने का पर्याप्त कारण है,

(ग) जहां अपीलार्थी को प्राधिकारी के समक्ष किसी माध्य को जो अपील के किसी आधार से मुमंगत है पेश करने से पर्याप्त कारण से रोका गया था, या

(घ) जहां न्यायनिर्णयिक प्राधिकारी ने, अपीलार्थी को, अपील के किसी आधार से मुमंगत माध्य को पेश करने का पर्याप्त अवसर दिए दिना, आदेश कर दिया है ।

(2) उपनियम (1) के अधीन कोई भी साध्य तब तक स्वीकार नहीं किया जायेगा जब तक कि कलकटर (अपील) स्वीकार किये जाने के कारणों को अधिनियमन न करे ।

(3) कलकटर (अपील) उपनियम (1) के अधीन पेश किये गये किसी साध्य का तब तक नहीं देशा जब तक कि न्यायनिर्णयिक प्राधिकारी या उक्त प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी प्राधिकारी को—

(क) साध्य या दस्तावेजों की परीक्षा करने या अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये साधी की प्रतिपरीक्षा करने, या

(ख) किसी साध्य को प्रस्तुत करने अथवा उपनियम (1) के अधीन अपीलार्थी द्वारा पेश किये गये साध्य का खड़न करने के लिये कोई साधी प्रस्तुत करने का कोई युक्तियुक्त अवसर न दिया गया हो ।

(4) इस नियम में अन्विष्ट किसी वान से कलकटर (अपील) की किसी दस्तावेज को पेश करने या किसी साधी की परीक्षा करने के लिये निर्देश देने की प्रक्रियों पर जिसमें कि वह अपील का निपाता कर मक्के प्रभाव नहीं पहेगा ।

प्रधार्य 3

अपील प्रधिकरण को अपीले

6. अपील प्रधिकरण को अपीलों प्राविदि का प्रस्तुप:

(1) धारा 129-क की उपधारा (1) के अधीन अपील प्रधिकरण को कोई अपील प्रस्तुप सं० सी० श० अ० ३ में की जायेगी ।

(2) धारा 129-क की उपधारा (4) के अधीन अपील प्रधिकरण को प्रस्तुपों का जापन प्रस्तुप सं० सी० श० अ० ४ में किया जायेगा ।

(3) जहां धारा 129-क की उपधारा (1) के अधीन कोई अपील, या उम धारा की उपधारा (4) के अधीन प्रस्तुपों का जापन, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलकटर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की जाती है/दिया जाता है का क्रमशः प्रस्तुप सं० सी० श० अ० ३ अ० सी० श० अ० ४ में यथावृत्तविष्ट अपील के आधार, प्रस्तुपों के आधार और सत्यापन के प्रस्तुप पर नियम 3 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे ।

(4) अपील का प्रस्तुप, प्रस्तुप सं० सी० श० अ० ३ अ० प्रत्याक्षेपों के जापन का प्रस्तुप, प्रस्तुप सं० सी० श० अ० ४ में चार प्रतियों में फाहल किया जायेगा और उसके गाथ अपील की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, समान संघरा में प्रतियों लगाई जायेगी (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) ।

7. अपील प्रधिकरण को आवेदन का प्रस्तुप:

(1) धारा 129-व की उपधारा (4) के अधीन अपील प्रधिकरण को कोई आवेदन प्रस्तुप संघरा सं० सी० श० अ० ५ में किया जायेगा ।

(2) आवेदन का प्रस्तुप, प्रस्तुप संघरा सं० सी० श० अ० ५ में चार प्रतियों में भग जायेगा और उसके गाथ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमाशुल्क कलकटर द्वारा पारित आदेश या विनिश्चय की प्रतियों बगावर की संघरा में (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और ऐसे कलकटर को अपील प्रधिकरण को आवेदन करने के लिये निर्देशित करने हुए प्रशासक द्वारा पारित किये गये आदेश की प्रति लगाई जायेगी ।

8. उच्च न्यायालय के निर्णय के लिए अपील प्रधिकरण को आवेदन का प्रस्तुप:

(1) धारा 130 की उपधारा (1) के अधीन कोई आवेदन अपील प्रधिकरण में यह अदेश करने हुए कि वह विधि के किसी प्रस्तुप का निर्णय उच्च न्यायालय को करे प्रस्तुप संघरा सं० सी० श० अ० ६ में किया जायेगा और ऐसा जापन सीन प्रतियों में फालू किया जायेगा ।

(2) धारा 130 को उपधारा (2) के अधीन अपील प्रधिकरण को प्रस्तुपों का जापन प्रस्तुप संघरा सं० सी० श० अ० ७ में किया जायेगा और ऐसा जापन सीन प्रतियों में फाहल किया जायेगा ।

(3) जहां धारा 130 की उपधारा (1) के अधीन कोई आवेदन या उक्त धारा की उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुपों का जापन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलकटर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा किया जाना है, तो क्रमशः प्रस्तुप संघरा सं० सी० श० अ० ६ अ० स०० सी० श० अ० ७ में यथावृत्तविष्ट आवेदन, प्रत्याक्षेपों के जापन और सत्यापन के प्रस्तुप पर नियम 3 के उपनियम 2 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे ।

प्रध्याय 4

9. ग्राधिकृत प्रतिमिथियों के लिए प्रहृताएं

धारा 146के प्रयोगोंको कि निये इर्षा प्राप्तिकृत प्रतिनिधि में देसा व्यक्ति भरमिलन हुआ, जिसने निम्नलिखित घर्त्ता प्रा में से, जो कि उक्त धारा 116की उपधारा (२) के ग्रण्ड (घ) के अवीन विर्त्तिविष्ट अहानाय हैं, कोई अहंता अर्जित कर रहा है, अर्थात् —

(क) आटडे अकाउटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के प्रवृत्त के भीतर काई चार्टेट अकाउटेट या।

(ख) लागत शोर सरस अकाउटेट अधिनियम, 1959 (1959 का 24) के अर्दे के भीतर काई लागत लेखालय, या।

(ग) कम्पनी भनिव अधिनियम, 1980 (1980 का 56) के प्रवृत्त के भीतर कोई कंपना भनिव, शोर जिम्मे उक्त अधिनियम की धारा 6 के प्रधान व्यवसाय का प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है, या।

(घ) किमी माल्यनाप्राप्ति विशिवालय से बाणीय से स्नातकोन्नर या अन्य की उपाधि धारण करने वाला या अवसाय प्रशासन में स्नातकोन्नर उपाधि या डिप्लोमा धारण करने वाला कोई अन्ति,

(ङ) कोई ऐसा व्यक्ति, जो संमानक या केन्द्रीय उत्ताप शूलक या स्थापन विभागों में पठन जियोजित था और जो उक्त विभागों में से एक या एक में भवित्व में जिया है यह भुल भिलाकर वर्ष में कम दो तरप सवा कृप्त के प्रत्यात् एस जियोजित से नेवातिवृत्ति हो गया हो या जिम्मा तर लाग दिया है।

स्पष्टीकरण -- इस गिर्यम में गान्धीनाम्रान् विश्वविद्यालय से नीचे विनियोग विद्युत विश्वविद्यालयों में वे पार्टी विश्वविद्यालय अभियोग हैं,

(i) भारतीय विष्वविद्यालय नम्बमय प्रवृत्ति किंगा विधि के अधीन नियमित काई भारतीय विश्वविद्यालय;

(ii) राजू विष्वविद्यालय;

(iii) अंटिंग और वग विश्वविद्यालय वर्षभाग, अंटल, कैम्ब्रिज, हरहम, लोडग, नवरात्र, लांदा, मैत्चेस्टर, रोडग, शोफील्ड, और वल्म के विश्वविद्यालय;

(iv) राट्टनेंट के विश्वविद्यालय अवार्डोन एडिनबर्ग, ग्लासगो और सेंट एड्यून के विश्वविद्यालय;

(v) आयरलैण्ड के विश्वविद्यालय डब्लिन, (ट्रिनिटी महा विश्वालय) के विश्वविद्यालय, कॉर्नवल विश्वविद्यालय बैंकफाउंट और डब्लिन का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय;

(vi) पाकिस्तान के विश्वविद्यालय नम्बमय प्रवृत्ति किंमी विधि द्वारा नियमित काई पाकिस्तानी विश्वविद्यालय;

(vii) बगला दश के विश्वविद्यालय : नम्बमय प्रवृत्ति किंमी विधि द्वारा नियमित काई बगला दश विश्वविद्यालय ।

10 धारा 146 क (5) के अधीन विनिविष्ट प्राधिकारी

सीमाशुलक कलबटर, जिनकी प्रधिकारिणा ऐसी कार्यवाहियों से हैं हैं जिनमें ऐसा शक्ति, जो काइ विधि व्यवसायी नहीं है, प्रवित्तियम के प्रधीन उक्त कार्यवाहियों वे गवंध म अवश्यक था दाये पापा गया है, धारा १४८ के दो उपाधारा (५) के ग्रन्त (य) ३, प्रवानका के लिये प्राधिकारी होगा।

अष्टव्याय ५
प्रकीर्ण

11. अपील अधिकारण की भाषा (1) अपील अधिकारण की भाषा अंग्रेजी होगी।

(2) उप-नियम (1) में प्रतिविट्ठ बाल के होने हुए भी अपील अधिकारण के भवका कार्यालयी के पक्षालार, यदि वे ऐसे चाहें तो छिंदी में निखे गये दस्तावेज़ फाहल कर सकेंगे।

12. अपीलों ग्राहि के फाइस करने के लिए प्रक्रिया

(1) अपील प्रलृप संख्या सी० श० अ० 3 में या प्रस्तावों का ज्ञापन प्रलृप संख्या सी० श० अ० 4 में अधबदा सी० श० अ० 7 में या अवैदेन प्रलृप संख्या सी० श० अ० 5 में अधबदा सी० श० अ० 6 में अधिकान्त रूप में रजिस्ट्रार या रजिस्टर द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी के पास उपस्थापित किया जायेगा या रजिस्ट्रार अधबदा ऐसे अधिकारी को तम्बोधित रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जायेगा ।

(2) उप-नियम (1) के अधीन कोई व्यापाल या प्रस्तावों का ज्ञापन या डाक द्वारा भेजा गया अवैदेन रजिस्ट्रार या रजिस्टर द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को उम सारीख को, जिसके बहु व्यास्थिति रजिस्ट्रार के कार्यालय में थे ऐसे अधिकारी के कार्यालय में प्राप्त होता है, उपस्थापित किया गया ममका जायेगा ।

13. अपीसों आवि के उपस्थापित करने की तारीख

नियम 12 के अधीन यथास्थिति रजिस्ट्रार या उसके द्वारा प्राधिकृत काई प्रधिकारी प्रत्येक भारीन या प्रत्याक्षरों के ज्ञान या आवेदन पर वह भारीत्व पूष्टाकृत करेगा, जिसको वह उस नियम के अधीन उपस्थापित किया जाता है या उपस्थापित किया गया समझा जाना है और पूष्टाकृत पर दृस्ताकार करेगा ।

14. किस अवक्षित को प्रत्यर्थी के रूप में संयोजित किया जा सकेगा।

- (1) सीमा शुल्क कलेक्टर से विभिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की गई अपील में संबंधित कलेक्टर को प्रत्यर्थी बनाया जायेगा ।
- (2) सीमा शुल्क कलेक्टर द्वारा की गई अपील या किये गये आवेदन में दूसरे पक्षकार को यथास्थिति अवीन या आवेदन में प्रत्यर्थी बनाया जायेगा ।

15. प्राधिकृत प्रतिनिधियों को प्राधिकृत करते वाले दस्तावेज का प्रवीन आविस से संलग्न किया जाना

विभागीय प्राधिकारी से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा काहिल की गई किसी अपील या प्रत्याख्यापा के ज्ञापन या आवेदन में, प्रतिनिधि को हस्ताक्षर करने और उसकी ओर से उत्तराधान हानि के लिये प्राधिकृत करने वाला वस्ता-देश जहा वह उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षिल है, ऐसी अपील या प्रत्याख्यापों के ज्ञापन या आवेदन से सलग किया जायेगा।

16. दूसरे पक्षकार को प्रतियां पूछांकित करना।

अधीन अधिकरण अधीन या प्रत्याशेषों के शापन या आवेदन की एक प्रति ऐसे वह फाहन की जाती है, दूसरे पक्षकार का भेजेगा।

17. रोक पिटीशन के फाईल करने और निपटाने के लिए प्रक्रिया

(1) (क) मारे गये किसी शुल्क या उत्तराधीन शास्त्र का निषेध करने की प्रोक्षा के रॉक के लिये अधिनियम के उपबंधों के प्रधीन किया गया प्रत्येक आवेदन अपीलार्थी द्वारा व्यक्तिगत रूप से या उसके सम्मक्ष रूप में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा तीन प्रतियों में उपस्थापित किया जायेगा या रजिस्ट्रार को अथवा प्रपीलों का प्राप्त करने के लिये प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को रजिस्ट्रोफून डाक द्वारा भेजा जायेगा।

(अ) ऐसे आवेदन में से प्रत्येक को एक प्रति की आवेदक द्वारा कलमटर के प्राधिकृत प्रतिनिधि पर साथ-साथ तामील की जायेगी ।

(2) रोक के लिये प्रत्येक आवेदन कागज के एक तरफ स्वच्छ टाइप किया जायेगा और अंग्रेजी में होगा और नियम 11 के उपनियम (2) के उपबंध ऐसे आवेदन को लागू होंगे ।

(3) रोक के लिये आवेदन में मधिल रूप से तिम्बलियन का कथन किया जायेगा :—

(क) उम्म शुल्क या शास्ति की भावन तथ्य जिसके निषेप के बारे में यह बहुत गया है कि वह रोका/रोकी जाये;

(ख) शुल्क या शास्ति की ठीक ठीक रकम और उसमें को तिरविवाद रकम और बकाया रकम;

(ग) अधिकारण के समझ अपील काइल करने की तारीख और उसकी सज्जा यदि जात हो;

(घ) क्या रोक के लिये आवेदन अधिनियम के अपील किसी प्राधिकारी के समझ किया गया था या किसी मियिल व्यायालय के समझ और यदि ऐसा है तो उसका परिणाम (पत्राचार, यदि काई हों, की प्रतियो ऐसे प्राधिकारण के साथ समझ की जायेगी) ।

(ङ) रोक चाहने के लिये संकेप में कारण;

(च) क्या आवेदक प्रतिशुत की प्रस्तावना करने के लिये तैयार है और यदि ऐसा है तो किस रूप में;

(छ) प्रार्थनाओं का स्पष्टता और संकेप में उल्लेख किया जाये (उम्म निश्चित रकम का कथन किया जाये जिसके बारे में आदा गया है कि वह रोकी जाये) ।

(4) आवेदन को अन्तर्वैस्तुओं का अपीलार्थी द्वारा या उसके मध्यकरण से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा शपथ लेकर समर्थन किया जायेगा ।

(5) रोक के लिये प्रत्येक आवेदन के साथ सबधित विभाग के प्राधिकारियों के सुमंगल आवेदों की तीन प्रतियां होगी जिनके अन्तर्गत वे अपील आदेश, यदि कोई हो, जिनके लिए अपील अपीलार्थी द्वारा अपील अधिकारण को अपील काइल की गई है और अन्य व्यवस्था, यदि कोई हो, भी है ।

तथापि यह कि अपील अधिकारण अपने विवेक से और आवेदक के अनुरोध पर ऐसे आवेदों की प्रतियो काइल करने की अपेक्षाओं से दूर हो सकेगा ।

(6) कोई आवेदन, जो उस अवेदनों के अनुरूप नहीं है, संकेप नामंजूर किया जा सकेगा ।

प्रलेप संख्या सी०श०ग्र० (1)

[नियम 3 देखें]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 123 के अधीन कलमटर (अपील) को अपील का प्रलेप

अपीलार्थी

वानाम

प्रत्यर्थी

वर्ता.....

1. सज्जा

2. अपीलार्थी का नाम और पता

3. उस अधिकारी का पश्चात्प्रियान और पता जिसने वह विनिश्चय या आदेश पालित किया है जिसके विशेष अपील की गई है और विनिश्चय या आदेश की तारीख ।

4. अपीलार्थी को उम्म विनिश्चय या आदेश या जिसके लिए अपील की गई है, संमूचित करने की तारीख ।

5. पता जिस पर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजो जा सकेंगी ।

6. क्या आवित का निषेप कर दिया गया है, यदि नहीं तो क्या ऐसे निषेप में अधिकृत कर दिये जाने के लिये आवेदन किया गया है ।

7. अपील में दावा की की गई राहत ।

तथा का कथन
अपील के प्राधार

प्राधिकृत प्रतिनिधि यदि काई है, के हस्ताक्षर अपीलार्थी के हस्ताक्षर स्थापन

मैं..... अपीलार्थी यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर जो अपित है, वह मेरी सर्वोत्तम जिनकारी और विवाह के अनुभव मत्त्व है ।

आज तारीख 'को मत्त्वापन किया गया ।

स्थान

नामांक

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण: (1) अपील के प्राधार और मत्त्वापन प्रलेप पर सीमाशुल्क (अपील) नियम, 1962 के नियम 3 के उपर्युक्त के अनुसार अपीलार्थी द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे ।

(2) अपील का प्रलेप, जिसके अन्तर्गत नियम का कथन अपील के आवार भी है, दो प्रतियों में काइल किया जायेगा और उगके साथ उस आदाश का विनिश्चय की जिसके विशेष अपील की गई १०८ प्रति भा लगाई जायेगी ।

प्रलेप संख्या सीमा शुल्क ग्र० २

(नियम 4 देखें)

सीमा शुल्क प्रतिनियम, 1962 की धारा 129 घ (4) के अधीन कलमटर (अपील) का आवेदन का प्रलेप ।

अपील का अपील मत्त्वापन

आवेदक

वानाम

प्रत्यर्थी

1. आवेदक का पदाधिकार और पता (यदि आवेदक व्यायानियक प्राधिकारी नहीं है तो केन्द्रीय उत्तापशुल्क सीमाशुल्क कलमटर से आवेदन करने के लिए प्राधिकारण का एक प्रति मत्त्वापन करे ।

2. प्रत्यर्थी का नाम और पता

3. उस अधिकारी का पदाधिकार और पता जिसने वह विनिश्चय या आदेश पालित किया है जिसके सबध में यह आवेदन किया जा रहा है, तथा विनिश्चय या आदेश की तारीख

4. वह तारीख जिसको सीमाशुल्क प्रतिनियम 1962 की धारा 129 घ (4) के अधीन सीमाशुल्क कलमटर ने आदाश पालित किया है ।

5. व्यायानियक प्राधिकारी को उपर्युक्त ४ में दिए आदेश समूचित करने की तारीख ।

6. आवेदन में दावा की गई राहत ।

तथ्यों का कथन
आवेदन के आधार

आवेदक के हस्ताक्षर

टिप्पण आवेदन वा प्रलेप, जिसके अन्तर्गत नव्यों का कथन आवेदन के आधार भी है वो प्रतियों में काईन किया जाएगा और उसके गायथ व्यापनिर्णयक प्राधिकारी द्वारा पारित विनिश्चय या प्रारेषण का दो प्रतियों (जिसमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति द्वारा) और अधिनियम का धारा 129क (2) के अधीन सीमा शुल्क कलकटा के आदेश की एक प्रति लगाई जाएगी।

प्रलेप स० मौ० श० अ० ३

[नियम 6 (1) वेत्ते]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 129क (1) के अधीन प्रील अधिकारण को प्रील का प्रलेप।

सीमा शुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियवण) प्रील अधिकारण में वर्षे की प्रील संख्या—

प्रीलार्थी

बनाम

प्रत्यर्थी

1. उग प्राधिकारी का पदान्वयन और पता जिसमें यह आदेश पारित किया है, जिसके विरुद्ध प्रील की गई है।

2. उग आदेश की मध्या और तारीख जिसके विरुद्ध प्रील की गई है।

3. उग आदेश का समूचित किए जाने का नारीय जिसके विरुद्ध प्रील की गई है।

4. राज्य/संघ राज्य दोनों और वह कलकटा, जिसमें आदेश पारित किया गया था/जारी किया गया था/जुमाना किया गया था।

5. व्यापनिर्णयक प्राधिकारी का पदान्वयन और पता उस सामग्री में, जिसमें वह आदेश जिसके विरुद्ध प्रील की गई है, कलकटा (प्रील) का आदेश है।

6. पता, जिस पर प्रीलार्थी का सूचनाएँ भेजी जा सकेंगी।

7. पता, जिस पर प्रत्यर्थी का सूचनाएँ भेजी जा सकेंगी।

8. क्या उग विनिश्चय या आदेश में, जिसके विरुद्ध प्रील की गई है कोई ऐसा प्रश्न अन्तर्भूति वाला है, जिसका संबंध शुल्क का वर या निर्धारण के प्रयाजनार्थ माल के सूच्य से है, यदि तरीं तो यथानियति अन्तर्भूति वाला या जुमाने की रकम या अन्तर्भूति शास्ति या अन्तर्भूति माल के सूच्य में अन्तर।

9. क्या शुल्क या जारी का निक्षेप कर दिया गया है, यदि नहीं तो क्या ऐसे निक्षेप से अनियुक्त कर दिए जाने के लिए कोई आवेदन किया गया है (उस चालान का प्रति जिसके प्रार्थन निक्षेप किया गया है लगाई जाएगी।)

10. प्रील में दावा की गई राहने

तथ्यों का कथन
प्रील के आधार

सत्यापन

मेरी प्रीलार्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर वर्णित है वह मेरी गवर्नेंस जानकारी और विवरण के अनुसार सत्य है।

आज तारीख—को सत्यापित किया गया

प्रीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

मेरि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण :

1. यदि प्रील सीमा शुल्क कलकटा में भिल किसी व्यक्ति द्वारा की गई है तो प्रील के आधार और सत्यापन के प्रलेप पर सीमा शुल्क (प्रील) नियम, 1983 के नियम 3 के उपबंधों के अनुसार प्रीलार्थी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

2. प्रील का प्रलेप, जिसके अन्तर्गत नव्यों का कथन और प्रील के प्राधार है, चार प्रतियों में काईन किया जाएगा और उसके माय उग आदेश की, जिसके विरुद्ध प्रील की गई है, बगाबर की भव्या में प्रतियों लगाई जाएगी (जिसमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति लगाई जाएगी।)

3. प्रील का प्रलेप प्रयोगी (या हिन्दी) में होना चाहिए और उसमें सक्षिप्त तथा सुविभिन्न प्रार्थकों के अधीन प्रील के आधार विनाशित नियमों तक के द्या वर्णन के उपर्याप्त होने चाहिए और ऐसे आधार कमश दर्शाकरित किए जाने चाहिए।

4. अधिनियम के उपबंधों के अधीन सदाय किए जाने के लिए प्रयोगित 2010 रु की फीस का संदेश अधिकारण की न्यायपीड के सहायक रजिस्ट्रार के गक्ष में उस स्थान पर, जहाँ न्यायपीड मिशन है, अवस्थित राष्ट्रीयफूल बैंक की किसी शाश्वत पर लिखे गए क्राम बैंक ड्राफ्ट की माफत किया जाएगा और भागदेव ड्राफ्ट प्रील के प्राह्य के लग समाप्त किया जाएगा।

प्रलेप संख्या स० श० अ० ४

[नियम 6 (2) वेत्ते]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 129क के अधीन प्रील अधिकारण को दिए जाने वाले प्रत्यक्षेपों के ज्ञापन का प्रलेप।

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क स्वर्ण (नियवण) प्रील अधिकारण में

वर्ष—का प्रलेप स० श० अ० ४ के प्रील/आवेदन संख्या—में प्रीलार्थी/आवेदक बनाम प्रत्यर्थी

1. राज्य/संघ राज्यकोष और वह कलकटा, जिसमें आदेश/निर्धारण का नियन्त्रण/जारी/जुमाना किया गया था।

2. यथानियति प्रीलार्थी या सीमा शुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलकटा द्वारा प्रील अधिकारण की काईन की गई प्रील या आवेदन की सूचना की प्राप्ति की तारीख।

3. पता जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेंगी।

4. पता जिस पर प्रीलार्थी/आवेदक का सूचना भेजी जा सकेंगी।

5. क्या उग विनिश्चय या आदेश में, जिसके विरुद्ध प्रील की गई है कोई ऐसा प्रश्न अन्तर्भूति वाला है, जिसका संबंध शुल्क की दर

या निर्धारण के प्रयोगतार्थ माल के मूल्य में है, यदि नहीं, तो यथास्थिति अन्तर्वलित शुल्क या जुमानि की रकम, या अन्तर्वलित शास्ति या अन्तर्वलित माल के मूल्य में अंतर।

6. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन में दावा की गई राहें।

प्रत्याक्षेपों के आधार

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

प्रत्यर्थी के हम्माधार

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि काई है, के हम्माधार

सत्यापन

मैं, ————— प्रत्यर्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है वह मेरी मर्वात्तम जानकारी और विवरण के अनुमार सत्य है।

भाज नारीघ्र ————— शिन ————— वर्ष ————— को सन्यापित किया गया।

प्रत्यर्थी के हम्माधार

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि काई है, के हम्माधार

टिप्पण

1. यदि ज्ञापन सीमाशुल्क कलक्टर में भिन्न किसी अक्तिवारा काइल किया गया है तो प्रत्याक्षेपों के आधार और सत्यापन के प्रकृत्य पर, सीमाशुल्क अपील नियम, 1982 के नियम के उपचंदा के अनुमार प्रत्यर्थी द्वारा हम्माधारित किया जाएगे।
2. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्रस्तुत आग प्रतिनिधि में फाइल किया जाएगा।
3. प्रत्याक्षेपों का प्रस्तुत अप्रेजी (या हिस्ट्री में) होगा और उसमें संक्षिप्ततः तथा सुनिश्च शीर्षकों के अधीन प्रत्याक्षेपों के आधार विना किसी नक्क या वर्णन के उपचंदा होगे और ऐसे आधारों को क्रमशः संक्षयाकान किया जाएगा।
4. अपील/आवेदन की वह संख्या और वर्ष जो अपील प्रधिकरण द्वारा आवेदित हुई अप्रत्यर्थी की प्राप्त अपील/आवेदन की सूचना में वर्णित हैं प्रत्यर्थी द्वारा काइल किया जाएगे।

प्रस्तुत संख्या सं० श० ग्र० ५

(नियम 7 द्वारा)

सीमा शुल्क प्रधिनियम, 1962 की धारा 129ध (4) के अधीन अपील अधिकारण को आवेदन का प्रस्तुत।

सीमाशुल्क, कन्द्रीय उत्पादशुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील प्रधिकरण में वर्ष ————— की अपील संख्या —————

आवेदक

वनाम

प्रत्यर्थी

1. आवेदक का पदाधिकार और पता (यदि आवेदक न्यायनिर्णयिक प्राधिकारी नहीं है तो सीमाशुल्क कलक्टर में, आवेदन करने के लिए प्रधिकरण की एक प्रति समर्ग करें)।

2. प्रत्यर्थी का नाम और पता।

3. उम प्रधिकारी का पदाधिकार और पता, जिसने वह विनियन या आदेश पारित किया है, किसीका बाबन यह आवेदन किया जा रहा है, तथा विनाशक या आदेश को लागीय।

4. उम प्रधिकरण का नाम और पता (विनियन या आदेश किया गया था)।

5. नारीघ्र, जिसको धारा 129ध की उपचंदा (1) के अधीन बोर्ड द्वारा आदेश पारित किया गया है।

6. न्यायनिर्णयिक प्राधिकारी को, उपर्युक्त 3 में निर्विष्ट आवेदन संसूचित करने की तारीख।

7. क्या उम विनियन या उम आदेश में जिसके विशेष अपील की गई है, निर्धारण के प्रयोगतार्थ सीमा शुल्क की दर या माल के मूल्य में सम्बन्धित प्रेषण अन्तर्वलित है, यदि नहीं तो शुल्क या अन्तर्वलित शुल्क या जुमानि की राशि प्रथम अन्तर्वलित शास्ति या अन्तर्वलित माल के मूल्य में अन्तर।

8. आवेदन में दावा की गई राहें।

तथ्यों का लापन
आवेदन के आधार

1.

2.

3.

आवेदक के हम्माधार

प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि

काई है, के हम्माधार

टिप्पण - आवेदन का प्रस्तुत, जिसके अन्तर्वलित तथ्यों का कथन और आवेदन के आधार भी है, चार प्रतिनिधियों में फाइल किया जाएगा और उसके साथ सीमा शुल्क कलक्टर के विनियन या आदेश की प्रतिनिधियां भगवार की संख्या में (जिसमें से कम से कम एक प्रमाणित हासी) और धारा 129ध की उपचंदा (1) के अधीन बोर्ड द्वारा पारित आदेश की एक प्रति लागै जाएगी।

प्रस्तुत सं० सं० श० ग्र० ५

[नियम 8(1) द्वारा]

सीमा शुल्क प्रधिनियम, 1962 की धारा 130(1) के अधीन आवेदन का प्रस्तुत।

सीमा शुल्क, कन्द्रीय उत्पादशुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील प्रधिकरण में ————— (अपीललार्थी का नाम) की अपील के मामले में वर्ष ————— का निर्देश आवेदन संख्या —————

(कार्यालय द्वारा भरा जाए)

आवेदक

वनाम

प्रत्यर्थी

1. ग्रज्य या मंच राज्यकान्त्र और वह कम्पनी जहां से आवेदन फाइल किया गया है।

2. अपील की मंख्या जिसमें निर्देश उद्भूत होता है।

3. पता जिस पर आवेदन को सूचनाएं भेजी जा सकती।

4. पता जिस पर प्रत्यर्थी को सूचनाएं भेजी जा सकती।

5. उपर्युक्त अपील का विनियन अपील प्रधिकरण की न्यायालयीड द्वारा नारीघ्र की गया गति।

6. सीमा शुल्क प्रधिनियम, 1962 की धारा 129ध के अधीन आदेश की सूचना की तासील आवेदन पर ————— को की गई थी।

7. तथ्य, जो अपील प्रधिकरण द्वारा स्वीकार किए गए और/या पाए गए हैं तथा जो मामले का कथन बनाने के लिए आवश्यक है, तुरन्त निर्देश के लिए मामलक में कथित है।

8. अपील प्रधिकरण के आदेश से विधि के निम्नलिखित प्रस्तुत उद्भूत होते हैं।

1

2

3

4

इत्यादि

५ अब आवेदन सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 130 की उपधारा (1) के अधीन यह अपेक्षा करता है कि मामले का कथन बनाया जाए और पैरा 8 में निर्दिष्ट विधि के प्रस्तों को उच्च न्यायालय को निर्दिष्ट किया जाए।

१० नीचे विनिर्दिष्ट रूप में वस्तावेजों और उनकी प्रतियों को (जहाँ वस्तावेजों का अंग्रेजी में अनुवाद आवश्यक है, संलग्न है) मामले के कथन के माथ उच्च न्यायालय को अप्रेषित किया जाए।

आवेदक के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

मत्यापन

मैं—आवेदक घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथन, है, वह मेरी मर्वेन्टम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।
आज तारीख—को सम्मापित किया गया।

आवेदक के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पणी

१. यदि आवेदन सीमाशुल्क कलक्टर से विषय किसी व्यक्ति द्वारा किया गया है तो आवेदन और सत्यापन के प्रस्तुप पर सीमा शुल्क पर (अपील) नियम, 1982 के नियम ३ के उपबंधों के अनुसार हस्ताक्षर किए जायें।

२. आवेदन सीन प्रतियों में फाईल किया जाएगा।

३. अधिनियम के उपबंधों के अधीन मंत्रालय किए जाने के लिए अप्रेषित २००३० की फीस का मंत्रालय अधिकारण की स्थायीठ के सहायक रजिस्ट्रार के पक्ष में उस स्थान पर जहाँ न्यायीठ स्थित है, अशिक्षण राष्ट्रीयकृत बैंक की किसी शाखा पर लिखे गए आम बैंक ब्रूफट की भारंत किया जाएगा, और मार्गदेश ब्रूफट आवेदन के प्रस्तुप के माथ संलग्न किया जाएगा।

प्रस्तुप मं० सीमा शुल्क श्र० ७

[नियम ४(२) देखें]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 130(२) के अधीन उच्च न्यायालय को निर्देश के मामले में अपील अधिकारण को किए जाने वाले प्रत्याख्येपों के जापन का प्रश्न

सीमा शुल्क, उत्पादशुल्क और स्वर्ण (नियन्त्रण) अपील अधिकारण में वर्ष—का प्रतिनिर्देश आवेदन संस्था—
(कार्यालय द्वारा भरा जाएगा)

वर्ष—के निर्देश आवेदन संस्था—
—मे
—प्रावेदक
—वनाम
—प्रत्यार्थी

१. राज्य/संघ राज्यक्षेत्र और कलक्टरी, जहाँ मैं प्रत्याख्येपों का जापन फाईल किया गया है

२. प्रत्यार्थी द्वारा अपील अधिकारण में फाईल किया गया आवेदन की सूचना की प्राप्ति की तारीख ।

३. पता जिस पर प्रार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।

४. पता जिस पर प्रावेदक का सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।

५. तथ्य, जो अपील अधिकारण द्वारा ग्रहीकार करे गए और या पाए गए हैं तथा जो मामले का कथन बनाने के लिए आवश्यक हैं, तुरन्त निर्देश के लिए सम्बन्धक में कथित हैं।

६. अपील अधिकारण के आदेश से विधि के निम्नलिखित प्रश्न उद्भूत होने हैं:—

१.

२.

३.

४.

७. अतः प्रत्यार्थी सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 130 की उपधारा (1) के अधीन यह अपेक्षा करता है कि मामले का कथन बनाया जाए, और उपर्युक्त पैरा ८ में निर्दिष्ट विधि के प्रस्तों को उच्च न्यायालय को निर्विष्ट किया जाए।

८. नीचे विनिर्दिष्ट रूप में वस्तावेजों और उनकी प्रतियों को, (जहाँ वस्तावेजों का अंग्रेजी प्रतिनिधित्व करता है, संलग्न है) मामले के कथन के माथ उच्च न्यायालय को अप्रेषित किया जाए।

प्रत्यार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

मत्यापन

मैं—प्रत्यार्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथन है, वह मेरी मर्वेन्टम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।
आज तारीख—को सम्मापित किया गया।

प्रत्यार्थी के हस्ताक्षर

प्रधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पणी:

१. यदि आपस सीमा शुल्क कलक्टर से विषय किसी व्यक्ति द्वारा काई लिया गया है तो प्रत्याख्येपों के जापन और सत्यापन के प्रस्तुप पर सीमा शुल्क (अपील) नियम, 1982 के नियम ३ के उपबंधों के अनुसार हस्ताक्षर किए जायें।

२. प्रत्याख्येपों का जापन तीन प्रतियों में फाईल किया जाएगा।

[फा० मं० ४९३/३/८३-सी० श० VII]

८० सी० ब०, अव० सत्वि०

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 10th September, 1982

NOTIFICATION

212/CUSTOMS

G.S.R. 564(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 156 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Customs (Appeals) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. Definitions : In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Customs Act, 1962 (52 of 1962),
- (b) "Form" means a form appended to these rules;
- (c) "section" means a section of the Act.

CHAPTER II

APPEALS TO COLLECTOR (APPEALS)

3. Form of appeal to Collector (Appeals)—(1) An appeal under sub-section (1) of section 128 to the Collector (Appeals) shall be made in Form No. C.A.-1.

(2) The grounds of appeal and the form of verification as contained Form No. C.A.-1 shall be signed :—

- (a) in the case of an individual by the individual himself or where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorised by him in this behalf and where the individual is a minor or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;
- (b) in the case of a Hindu undivided family, by the Karta and, where the Karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family;
- (c) in the case of a company or local authority, by the principal officer thereof;
- (d) in the case of a firm, by any partner thereof, not being a minor;
- (e) in the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
- (f) in the case of any other person, by that person or some person competent to act on his behalf.

(3) The form of appeal in Form No. C.A.-1 shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of the decision or order appealed against.

4. Form of application to the Collector (Appeals)—(1) An application under sub-section (4) of section 129-D to the Collector (Appeals) shall be made in Form No. C.A.-2.

(2) The form of application in Form No. C.A.-2 shall be filed in duplicate and shall be accompanied by two copies of the decision or order passed by the adjudicating authority (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of

the order passed by the Collector of Customs directing such authority to apply to the Collector (Appeals).

5. Production of additional evidence before the Collector (Appeals)—(1) The appellant shall not be entitled to produce before the Collector (Appeals) any evidence, whether oral or documentary, other than the evidence produced by him during the course of proceedings before the adjudicating authority, except in the following circumstances, namely :—

- (a) where the adjudicating authority has refused to admit evidence which ought to have been admitted; or

(b) where the appellant was prevented by sufficient cause from producing the evidence which he was called upon to produce by that authority, or

(c) where the appellant was prevented by sufficient cause from producing before the authority any evidence which is relevant to any ground of appeal; or

(d) where the adjudicating authority has made the order appealed against without giving sufficient opportunity to the appellant to adduce evidence relevant to any ground of appeal.

(2) No evidence shall be admitted under sub-rule (1) unless the Collector (Appeals) records in writing the reasons for its admission.

(3) The Collector (Appeals) shall not take any evidence produced under sub-rule (1) unless the adjudicating authority or an officer authorised in this behalf by the said authority has been allowed a reasonable opportunity,—

(a) to examine the evidence or documents or to cross-examine any witness produced by the appellant; or

(b) to produce any evidence or any witness in rebuttal of the evidence produced by the appellant under sub-rule (1).

(4) Nothing contained in this rule shall affect the powers of the Collector (Appeals) to direct the production of any witness, to enable him to dispose of the appeal.

CHAPTER III

APPEALS TO APPELLATE TRIBUNAL

6. Form of appeals, etc., to the Appellate Tribunal : (1) An appeal under sub-section (1) of section 129-A to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. C.A.-3.

(2) A memorandum of cross-objection to the Appellate Tribunal under sub-section (4) of section 129-A shall be made in Form No. C.A.-4.

(3) Where an appeal under sub-section (1) of section 129A or a memorandum of cross-objection under sub-section (4) of that section is made by any person other than the Collector of Customs, the grounds of appeal, the grounds of cross-objection and the forms of verification as contained in Form Nos. CA-3 and CA-4, or as the case may be, respectively shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 3.

(4) The form of appeal in Form No. CA-3 and the form of memorandum of cross objections in Form No. CA-4 shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the order appealed against one of which at least shall be a certified copy.

7. Form of application to the Appellate Tribunal : (1) An application under sub-section (4) of section 129D to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. CA-5.

(2) The form of application in Form No. CA-5 shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the decision or order passed by the Collector of Customs (one of which at least shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Board directing such Collector to apply to the Appellate Tribunal.

8. Form of application to the Appellate Tribunal for reference to High Court.

(1) An application under sub-section (1) of section 130 requiring the Appellate Tribunal to refer to the High Court any question of law shall be made in Form No. CA-6 and such application shall be filed in triplicate.

(2) A memorandum of cross-objection under sub-section (2) of section 130 to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. CA-7 and such memorandum shall be filed in triplicate.

(3) Where an application under sub-section (1) of section 130' or a memorandum of cross-objections under sub-section (2) of that section is made by any person other than the Collector of Customs, the application, the memorandum and the forms of verification as contained in Form Nos. CA-6 and CA-7 respectively shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 3.

CHAPTER IV AUTHORISED REPRESENTATIVE

9. Qualifications for authorised representatives.—For the purposes of section 146A, an authorised representative shall include a person who has acquired any of the following qualifications, being the qualifications specified under clause (d) of sub-section (2) of the said section 146A, namely :—

- (a) a Chartered Accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949), or
- (b) a cost Accountant within the meaning of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959); or
- (c) a Company Secretary within the meaning of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980), who has obtained a certificate of practice under section 6 of that Act; or
- (d) a post-graduate or an Honours degree holder in Commerce or a post-graduate degree or diploma holder in Business Administration from any recognised University; or
- (e) a person formerly employed in the Departments of Customs or Central Excise or Narcotics and has retired or resigned from such employment after having rendered service in any capacity in one or more of the said Departments for not less than ten years in the aggregate.

Explanation :—In this rule, “recognised University” means any of the Universities specified below, namely :—

I. Indian Universities :—Any Indian University incorporated under any law for the time being in force in India;

II. Rangoon University.

III. English and Welsh Universities :—The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales;

IV. Scottish Universities :—The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

V. Irish Universities :—The Universities of Dublin (Trinity College), the Queen's University, Belfast and the National University of Dublin.

VI. Pakistan Universities.—Any Pakistan University incorporated under any law for the time being in force.

VII. Bangladesh Universities.—Any Bangladesh University incorporated under any law for the time being in force.

10. Authority under section 146A(5)(b).—The Collector of Customs having jurisdiction in the proceedings in which a person who is not a legal practitioner is found guilty of misconduct in connection with that proceeding under the Act shall be the authority for the purposes of clause (b) of sub-section (5) of section 146A.

CHAPTER V MISCELLANEOUS

11. Language of the Appellate Tribunal:—(1) The language of the Appellate Tribunal shall be English.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the parties to a proceeding before the Appellate Tribunal may file documents drawn up in Hindi if they so desire.

702 GI/82—2

12. Procedure for filing appeals etc.—(1) An appeal in Form No. C. A.-3 or a memorandum of cross-objections in Form No. C. A.-4 or Form No. C. A.-7, or an application in Form No. C.A.-5 or Form No. C.A.-6 shall be presented in person to the Registrar or an officer authorised in this behalf by the Registrar, or sent by registered post addressed to the Registrar or such officer.

(2) An appeal or a memorandum of cross-objections or an application sent by post under sub-rule (1) shall be deemed to have been presented to the Registrar or to the officer authorised by the Registrar, on the date on which it is received in the office of the Registrar, or as the case may be in the office of such officer.

13. Date of presentation of appeals etc.—The Registrar or as the case may be, the officer authorised by him under rule 12 shall endorse on every appeal or memorandum of cross-objections or application the date on which it is presented or deemed to have been presented under that rule and shall sign and endorsement.

14. Who may be joined as respondents :—(1) In an appeal by a person other than the Collector of Customs, the Collector concerned shall be made the respondent to the appeal.

(2) In an appeal or an application by the Collector of Customs, the other party shall be made the respondent to the appeal or application, as the case may be.

15. Document authorising authorised representatives to be attached to the appeal etc.—In any appeal, or memorandum of cross-objections or application, filed by any person other than a departmental authority, where it is signed by his authorised representative the document authorising the representative to sign and appear for him shall be appended to such appeal or memorandum of cross-objections or application.

16. Endorsing copies to the other party :—The Appellate Tribunal shall send a copy of the appeal or memorandum of cross-objections or application to the other party as soon as it is filed.

17. Procedure for filing and disposal of stay petition :—

(1) (a) Every application preferred under the provisions of the Act for stay of the requirement of making deposit of any duty demanded or penalty levied shall be presented in triplicate by the appellant in person or by his duly authorised agent, or sent by registered post to the Registrar or any other officer authorised to receive appeals.

(b) One copy each of such application shall be served on the authorised representative of the Collector simultaneously by the applicant.

(2) Every application for stay shall be neatly typed on one side of the paper and shall be in English and the provisions of sub-rule (2) of rule 11 shall apply to such application.

(3) An application for stay shall set forth concisely the following :—

(a) the facts regarding the demand of duty or penalty, the deposit whereof is sought to be stayed;

(b) the exact amount of duty or penalty and the amount undisputed therefrom and the amount outstanding;

(c) the date of filing of the appeal before the Tribunal and its number, if known;

(d) whether the application for stay was made before any authority under the Act or any civil court and, if so, the result thereof (copies of the correspondence, if any, with such authorities to be attached);

(e) reasons in brief for seeking stay;

(f) whether the applicant is prepared to offer security and, if so, in what form;

(g) prayers to be mentioned clearly and concisely (state the exact amount sought to be stayed);

(4) The contents of the application shall be supported by an affidavit sworn to by the appellant or his duly authorised agent.

(5) Every application for stay shall be accompanied by three copies of the relevant orders of the authorities of the department concerned, including the appellate orders, if any, against which the appeal is filed to the Appellate Tribunal by the appellant and other documents, if any:

Provided, however, that the Appellate Tribunal may in its discretion and at the request of the applicant, dispense with the requirements of filing of the copies of such orders.

(6) Any application which does not conform to the above requirements is liable to be summarily rejected.

FORM NO. C.A. 1

(See rule 3)

FORM OF APPEAL TO THE COLLECTOR (APPEALS) UNDER SECTION 128 OF THE CUSTOMS ACT, 1962

1. No. of 19
2. Name and address of the appellant.
3. Designation and address of the officer passing the decision or order appealed against and the date of the decision or order.
4. Date of communication of the decision or order appealed against to the appellant.
5. Address to which notices may be sent to the appellant.
6. Whether duty or penalty or both is deposited; if not, whether any application for dispensing with such deposit has been made. (A copy of the Challan under which the deposit is made shall be furnished).

7. Reliefs claimed in appeal.

Statement of facts

Grounds of appeal

(i)

(ii)

(iii)

etc.

Signature of authorised representative, if any.

Signature of the appellant.

VERIFICATION

I, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the day of 19....

Place.....

Date.....

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the appellant.

NOTES :

1. The grounds of appeal and the form of verification shall be signed by the appellant in accordance with the provisions of rule 3 of the Customs (Appeals) Rules, 1982.

2. The form of appeal, including the statement of facts and the grounds of appeal shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of the decision or order appealed against.

FORM NO. C.A. 2

(See rule 4)

FORM OF APPLICATION TO THE COLLECTOR (APPEALS) UNDER SECTION 129D(4) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

Appeal No. of 19

Applicant

Vs.

Respondent

1. Designation and address of the applicant (If the applicant is not the adjudicating authority, a copy of the authorisation from the Collector of Customs to make the application should be enclosed.)
2. Name and address of the Respondent.
3. Designation and address of the officer passing the decision or order in respect of which this application is being made and the date of the decision or order.
4. Date on which the order under sub-section (2) of section 129D has been passed by the Collector of Customs.
5. Date of the communication of the order referred to in (4) above to the adjudicating authority.
6. Reliefs claimed in the application.

Statement of facts

Grounds of application

(i)

(ii)

(iii)

etc.

Signature of the

applicant.

NOTE.—The form of application, including the statement of facts and the grounds of application shall be filed on duplicate and shall be accompanied by two copies of the decision or order passed by the adjudicating authority (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of the order of the Collector of Customs under sub-section (2) of section 129D of the Act.

FORM NO. C.A. 3

(See rule 6(1))

FORM OF APPEAL TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 129A(1) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal.

Appeal No. of 19

Applicant

Vs.

Respondent

1. The designation and address of the authority passing the order appealed against.
2. The number and date of the order appealed against.

3. Date of communication of the order appealed against.
4. State/Union territory and the Collectorate in which the order/decision of assessment/penalty/fine was made.
5. Designation and address of the adjudicating authority in cases where the order appealed against is an order of the Collector (Appeals).
6. Address to which notices may be sent to the appellant.
7. Address to which notices may be sent to the respondent.
8. Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of duty or to the value of goods for purposes of assessment, if not, the difference in duty involved or amount of fine or penalty involved or value of goods involved, as the case may be.
9. Whether duty or penalty is deposited; if not, whether any application for dispensing with such deposit has been made.
(A copy of the Challan under which the deposit is made shall be furnished).
10. Reliefs claimed in appeal.

Statement of facts

Grounds of appeal

(i)

(ii)

(iii)

(iv)

etc.

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the appellant.

VERIFICATION

I,..... the appellant do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the..... day of..... 19....

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the appellant.

NOTES :

1. The grounds of appeal and the form of verification shall if the appeal is made by any person, other than the Collector of Customs, be signed by the appellant in accordance with the provisions of rule 3 of the Customs (Appeals) Rules, 1982.

2. The form of appeal including the statement of facts and the grounds of appeal shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the order appealed against (one of which at least shall be a certified copy).

3. The form of appeal should be in English (or Hindi) and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.

4. The fee of Rs. 200 required to be paid under the provisions of the Act shall be paid through a crossed bank draft drawn in favour of the Assistant Registrar of the Bench of the Tribunal on a branch of any Nationalised bank located at the place where the Bench is situated and the demand draft shall be attached to the form of appeal.

FORM NO. C.A.-4

{See rule 6(2)}

FORM OF MEMORANDUM OF CROSS-OBJECTIONS
TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION

129A(4) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal Cross-Object No..... of 19.....
In Appeal/Application No..... of 19.....

Appellant/Applicant.

Vs.

Respondent

1. State/Union territory and the Collectorate in which the order/decision of assessment/penalty/fine was made.
2. Date of receipt of notice of appeal or application filed with the Appellate Tribunal by the appellant or as the case may be, the Collector of Customs.
3. Address to which notices may be sent to the respondent.
4. Address to which notices may be sent to the appellant/applicant.
5. Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of duty of Customs or to the value of goods for purpose of assessment; if not, the difference in duty or duty involved, or amount of fine or penalty involved or the value of goods involved, as the case may be.
6. Reliefs claimed in the memorandum of cross-objections.

GROUNDS OF CROSS-OBJECTIONS

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

etc.

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the respondent.

VERIFICATION

I, the respondent, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified to-day the _____ day of 19 _____

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the respondent.

NOTES :

1. The grounds of cross-objections and the form of verification shall, if the memorandum is filed by any person, other than the Collector of Customs, be signed by the respondent in accordance with the provisions of rule 3 of the Customs (Appeals) Rules, 1982.

2. The form of memorandum of cross-objections shall be filed in quadruplicate.

3. The form of memorandum of cross-objections should be in English (or in Hindi) and should set forth, concisely and under distinct heads the grounds of cross-objections without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.

4. The number and year of appeal application as allotted by the office of the Appellate Tribunal and appearing in the notice of appeal application received by the respondent is to be filled in by the respondent.

FORM NO. C.A.-5

(See rule 7)

FORM OF APPLICATION TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 129D(4) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal

Appeal No. of

Applicant

Vs.

Respondent

1. Designation and address of the applicant (if the applicant is not the adjudicating authority, a copy of the authorisation from the Collector of Customs to make the application should be enclosed).

2. Name and address of the respondent.

3. Designation and address of the officer passing the decision or order in respect of which this application is being made and the date of the decision or order.

4. State/Union territory and the Collectorate in which the decision or order was made.

5. Date on which order under sub-section (1) of section 129D has been passed by the Board.

6. Date of the communication of the order referred to in (3) above, to the adjudicating authority.

7. Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of duty of customs or

to the value of goods for purposes of assessment; if not the difference in duty or duty involved, or amount of fine or penalty involved or value of goods involved.

8. Reliefs claimed in the application.

Statement of facts

Grounds of application

(i)

(ii)

(iii)

etc.

Signature of the applicant.

NOTE.—The form of application including the statement of facts and the grounds of application shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the decision or order of the Collector of Customs (one at least of which shall be a certified copy) and a copy of the order of the Board under sub-section (1) of section 129-D.

FORM NO. C.A.-6

[See rule 8(1)]

FORM OF APPLICATION TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 130(1) OF THE CUSTOMS ACT, 1962

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal

In the matter of Appeal No. _____ (Name of the appellant) Reference Application No. _____ of 19 _____ (to be filled in by the office)

Applicant

Vs.

Respondent

1. State or Union territory and the Collectorate from which the application is filed _____.

2. Number of the appeal which gives rise to the reference _____.

3. Address to which notices may be sent to the applicant.

4. Address to which notices may be sent to the respondent.

5. The appeal noted above was decided by the Bench of the Appellate Tribunal on _____.

6. The notice of the order under section 129B of the Customs Act, 1962 was served on the applicant on _____.

7. The facts which are admitted and/or found by the Appellate Tribunal and which are necessary for drawing up a statement of the case, are stated in the enclosure for ready reference.

8. The following questions of law arise out of the order of the Appellate Tribunal.

1.

2.

3.

etc.

9. That the applicant, therefore, requires under sub-section (1) of section 130 of the Customs Act, 1962 that a statement of the case be drawn up and the questions of law referred in paragraph 8 above be referred to the High Court.

